भारत की कम्युनिस्ट पार्टी

(*मार्क्सवादी*)

झारखंड राज्य कमिटी

प्रेस विज्ञप्ति

रांची,25 अक्टूबर 2021

सीपीएम का सातवां राज्य सम्मेलन दुमका मे

झारखंड मे एक जनपक्षीय राजनीतिक विकल्प तैयार करने और राज्य की राजनीति मे पार्टी की हस्तक्षेपकारी भूमिका को बढाए जाने की कार्य योजना पर होगी विशेष चर्चा

पुरे राज्य से तीन सौ प्रतिनिधि हिस्सा लेंगें

पार्टी के अखिल भारतीय केन्द्र से दो पालिट ब्यूरो सदस्य पुरे समय सम्मेलन मे मौजूद रहेंगे

सीपीएम का सातवां झारखंड राज्य सम्मेलन 29 से 31 अक्टूबर तक झारखंड की उप राजधानी दुमका मे होगा. इस तीन दिवसीय सम्मेलन में पुरे झारखंड से पिछले दिनों संपन्न हुए जिला सम्मेलनों से निर्वाचित 311 प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे.

उल्लेखनीय है कि पिछले दो माह से जारी पार्टी के हर स्तर के सांगठनिक सम्मेलनो की अनवरत प्रक्रिया के बाद राज्य सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है जिला सम्मेलनो से निर्वाचित प्रतिनिधि झारखंड मे पार्टी की 5185 सदस्यों का प्रतिनिधित्व करेंगे.

सम्मेलन का उद्घाटन सत्र 29 अक्टूबर को पूर्वाह्न 11 बजे दुमका के सिदो कान्हो इनडोर स्टेडियम मे होगा. इस मौके पर कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए एक आकर्षक जुलूस भी निकाला जायेगा. उद्घाटन सत्र को पार्टी के पालिट ब्युरो सदस्य बृंदा कारात, मो. सलीम समेत झारखंड के विभिन्न वामदलों के राज्य नेतृत्व के साथी संबोधित करेंगे.

सम्मेलन की कार्यवाही पांच सत्रों मे होगी. अंतिम सत्र मे नई राज्य कमिटी का चुनाव होगा और राज्य कमिटी द्वारा अगले तीन वर्षों के लिए नए राज्य सचिव और सचिवमंडल का चयन किया जायेगा. इसके अलावा अगले वर्ष अप्रैल महीने मे केरल मे आयोजित हो रहे पार्टी की 23 वीं कांग्रेस (राष्ट्रीय अधिवेशन) के लिए झारखंड से शामिल होने वाले प्रतिनिधियों का भी निर्वाचन किया जायेगा.

सम्मेलन मे झारखंड के जनमुददों पर सीपीएम की प्रभावी हस्तक्षेपकारी भूमिका कैसे बढायी जाय इस पर चर्चा कर एक सशक्त कार्य योजना बनाए जाने के अलावा राज्य मे वाम एकता के आधार पर सभी धर्मनिरपेक्ष शक्तियों को एकजुट कर विभाजनकारी सांप्रदायिक ताकतों के खिलाफ एक व्यापक मोर्चा के निर्माण की रूपरेखा भी तय की जायेगी. सम्मेलन मे राज्य के किसानों, मजदूरों और अन्य मेहनतकशों के ज्वलंत मुद्दों, बेरोजगारी, विस्थापन और पलायन तथा प्रवासी कामगारों के हितों की रक्षा के लिए एक जनपक्षीय राजनीतिक विकल्प के निर्माण की दिशा भी तय की जायेगी.

गोपीकांत बक्सी

सचिव